A–0159

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

BAJY (N)-120

जन्मकुण्डली निर्माण

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (2×19=38)

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. यदि पंक्तिस्थ सूर्य 3/3/59 है धन चालन 3/3/22 हो तथा सूर्यगति 56/56 हो तो सूर्यस्पष्ट कीजिए।

2. यदि भयात 25/45 हो और भभोग 15/45 हो, गत नक्षत्र–रोहिणी 52/5 जन्म नक्षत्र मृगशीर्ष 48/25 हो तो चन्द्रस्पष्ट कीजिए।

3. जन्माङ्गचक्र निर्माण विधि का विस्तार से उल्लेख कीजिए।

4. दशम लग्न साधन क्यों आवश्यक है ? स्पष्ट कीजिए। नत किसे कहते हैं ? सोदाहरण पूर्वक लिखिए।

5. स्वकल्पित उदाहरण लेकर लग्न साधन कीजिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न (4×8=32)

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. चालन की परिभाषा का उल्लेख करते हुए स्वकल्पित उदाहरण लेकर चालन स्पष्ट कीजिए।

2. ग्रह स्पष्टीकरण का सूत्र प्रमाणपूर्वक उल्लेख करते हुए व्याख्या कीजिए।

3. चरखण्ड साधन क्यों आवश्यक है ? लंकोदयमान एवं स्वोदयमान की उपयोगिता सिद्ध कीजिए।

4. गतर्क्षनाडी खरसेषुशुद्धा सूर्योदयादिष्टघटीषु युक्ता।

भयातसंज्ञा भवतीह तस्य निजर्क्षनाड्यासहितो भभोगः॥

उदाहरण स्पष्ट करते हुए व्याख्या कीजिए।

5. चन्द्रस्पष्ट करने में आवश्यक उपकरणों का उल्लेख कीजिए।

6. यदि धन चालन 3/30/22 राहुगति 3/11 पंक्तिस्थराहु 7/10/20/28 हो तो राहु स्पष्ट कीजिए।

7. अयनांश साधन क्यों आवश्यक है ? स्पष्ट कीजिए।

8. जन्माङ्गचक्र एवं राशिचक्र का अन्तर स्पष्ट करते हुए उल्लेख कीजिए।

****